अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2024) दिनांक : 27.08.2024

समय सीमा : 3 घंटा द्वितीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

नव पदार्थ (जीव-अजीव)–40

प्र. 1 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखें– 10

जीव : किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(क) जीव का नाम स्वयंभू क्यों है?

(ख) हिंडुक का क्या अर्थ है?

(ग) जीव का योनि नाम किस संदर्भ में दिया गया है?

(घ) लोक में अनन्त क्या है?

(ड़) मानव का क्या अर्थ है?

अजीव : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(च) आचार्य भिक्षु ने 'नव पदार्थ' पुस्तक में भाव पुद्गल के कौन-कौन से उदाहरण दिये हैं?

(छ) परमाणु व प्रदेश में क्या-क्या साम्यता व विषमता है?

(ज) काल द्रव्य शाश्वत-अशाश्वत कैसे है?

(झ) मिश्र शब्द से क्या तात्पर्य है?

प्र. 2 निम्न प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें– 10

(क) नव पदार्थ में कितने जीव और कितने अजीव?

अथवा

लक्षण, गुण व पर्याय को स्पष्ट करें।

(ख) द्रव्यों में कितने द्रव्य सक्रिय हैं और कितने निष्क्रिय?

अथवा

काल के स्कंध, देश, प्रदेश आदि भेद क्यों नहीं होते?

प्र. 3 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें– 20

(क) सुविनीत व अविनीत किसे कहा है तथा शूरवीर के भेद बताते हुए लिखें कि इन्हें भाव जीव क्यों कहा है?

अथवा

भाव किसे कहते हैं? भाव के कितने प्रकार हैं? वर्णन करें।

(ख) षट्द्रव्यों के परस्पर क्या साधर्म्य-वैधर्म्य है?

अथवा

काल का स्वरूप क्या है, वर्णन करें।

अवबोध (जीव से संवर)–30

प्र. 4 किन्हीं सात प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में लिखें– 7

(क) नौ तत्त्वों में रूपी कितने हैं व अरूपी कितने हैं?

(ख) अव्रत आश्रव कितने गुणस्थान तक है?

(ग) अभ्याख्यान किसे कहा जाता है?

(घ) परमाणु में दो स्पर्श कौन से पाते हैं?

(ड़) कषाय आश्रव कितने गुणस्थान तक है?

(च) पुण्य बंध की कौन-कौन सी क्रिया है?

(छ) सम्यक्त्व संवर कौन से गुणस्थान से प्रारंभ होता है?

(ज) पुण्य की स्थिति कितनी है?

(झ) अनाभिग्रहिक मिथ्यात्व किसे कहते हैं?

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) पुण्य और पाप की कर्म वर्गणा अलग-अलग है या एक ही है?

(ख) क्या पुद्गल मात्र आंख का विषय बनते हैं?

(ग) पर्याप्ति की क्या उपयोगिता है?

प्र. 6 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) एकेन्द्रिय में जीवन है, इस सन्दर्भ में विज्ञान कहां तक पहुंचा है?

(ख) चौरासी लाख जीव योनि क्या है और यह संख्या कैसे बनी है?

(ग) क्या आगम प्रमाणों से यह सिद्ध होता है कि आश्रव जीव है?

(घ) पुण्यानुबंधी पुण्य की चौभंगी क्या आगमोक्त है?

(ड़) पाप की परिभाषा बताते हुये रति-अरति, मृषावाद तथा मिथ्यादर्शन शल्य की व्याख्या करें।

अमृत कलश भाग-3 (छठा-सातवां चषक तप को छोड़कर)–30

प्र. 7 किन्हीं पांच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दें– 5

(क) 'णमो उवज्झायणं' का ध्यान किस केन्द्र पर किस रंग के साथ किया जाता है?

(ख) नीचा लोक कितना बड़ा है?

(ग) सामायिक और संवर में क्या अंतर है?

(घ) साधु व श्रावक के प्रतिक्रमण में क्या अंतर है?

(ड़) ऊंचे लोक में एक साथ कितने सिद्ध हो सकते हैं?

(च) सम्यक्त्व आने के बाद स्थायी रह सकता है या जा भी सकता है?

(छ) अव्यवहार राशि में किस काय के जीव आते हैं?

प्र. 8 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में दें– 10

(क) निसर्ग सम्यक्त्व से क्या तात्पर्य है?

(ख) क्या सभी तीर्थंकरों के युग में प्रतिक्रमण दोनों समय किया जाता था?

(ग) अर्हत् की उपासना के लिए कौन सा मंत्र प्रचलित है?

(घ) वंदना करने से क्या व्यावहारिक लाभ भी होता है?

(ड़) मिथ्यात्वी व सम्यक्त्वी की तपस्या में क्या अंतर है?

(च) आचार्य व उपाध्याय के उत्कृष्ट कितने भव होते हैं?

(छ) भवी है, मुक्त होने की योग्यता रखते हैं फिर मुक्त क्यों नहीं होंगे?

प्र. 9 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखें– 15

(क) तीर्थंकर और सामान्य केवली में क्या अंतर है?

(ख) साधु के सत्ताईस गुण कौन से हैं?

(ग) मन के दस दोष कौन से हैं, व्याख्या करें।

(घ) ग्यारह अंग व बारह उपांग कौन से हैं?

(ड़) प्रतिक्रमण का समय कौन सा है? प्रतिक्रमण का समय एक मुहूर्त ही क्यों?